M.A. (Hindi) (NEP Pattern) Semester-III

S3MAHIN03 - DSC - Vishesh Adhyayan - Munshi Premchand Bhag-I

P. Pages : 3 | **GUG/W/24/15551**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित अवतरणों में से **किन्ही तीन** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। **30**

i) देवियों, मैं उन लोगों में नही हूँ, जो कहते हैं, स्त्री और पुरुष में समान शक्तियाँ हैं, समान प्रवृत्तियां हैं, और इनमें कोई विभिन्नता नहीं हैं। इससे भयंकर असत्य की मैं कल्पना नहीं कर सकता। यह वह असत्य है, जो युग-युगांत्तरों से संचित अनुभव को उसी तरह ढंक लेता हैं। मैं आपको संचेत किए देता हूँ कि आप इस जाल में न फंसें। स्त्री पुरुष से उतनी ही श्रेष्ठ है, जितना प्रकाश अंधेरे से।

ii) वह अपनी सफाई तो पेश करना चाहती थी, पर कर न सकती थी। अगर कहे कि मैं वही कर रही हूँ, जो मेरे स्वामी की इच्छा है, तो घर का भाण्डा फूटता है। अगर वह अपनी भूल स्वीकार करके उसका सुधार करती है, तो भय है कि उसका न जाने क्या परिणाम हो। वह यों स्पष्टवादिनी थी, सत्य कहने में उसे संकोच या भय न होता था, लेकिन इस नाजुक मौके पर उसे चुप्पी साधनी पड़ी।

iii) उसका अबोध हृदय इस प्यार में वह मातृ-प्रेम-स्नेह न पाता था, जिससे दैव ने उसे वंचित कर दिया था। वह वात्सल्य न था, केवल दया थी। यह वह वस्तु थी, जिस पर उसका कोई अधिकार न था, जो केवल भिक्षा के रुप में उसे दी जा रही थी।

iv) शीतल धीर, गंभीर बुढ़ापा जब विह्वल हो जाता है, तो मानो पिंजरे के द्वार खुल जाते हैं और पक्षियों को रोकना असंभव हो जाता हैं। जब सत्तर वर्ष तक संसार के समर में जमा रहनेवाला नायक हथियार डाल दे तो रेंगरुटों को कौन रोक सकता है।

v) निराश होने की बात नहीं। बस इतना ही समझ लो कि सुख में आदमी का धरम कुछ और होता है, दु:ख में कुछ और। सुख में आदमी दान देता हैं, मगर दु:ख में भीख तक माँगता है। उस समय आदमी का यही धरम हो जाता है। शरीर अच्छा रहता है, तो हम बिना अस्नान-पूजा किए बिना मुँह में पानी तक नहीं डालते हैं। लेकिन बिमार हो जाते है तो बिना नहाये-धोये, कपड़े पहने, खाट पर बैठे पथ्य लेते हैं। उस समय का यही धरम है। यहाँ हममें तुममें कितना भेद है, लेकिन जगन्नाथपुरी में कोई भेद नहीं रहता।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का दीर्घोत्तरी उत्तर लिखिए। **10**

i) कर्मभूमि उपन्यास अपने युगीन जीवन के यथार्थ चित्रण में सफल रचना है। सिध्द कीजिए।

अथवा

ii) निर्मला उपन्यास में अनमेल विवाह और दहेजप्रथा की दुखान्त व मार्मिक कहानी है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्ही पाँच** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **20**

i) हीरा का संक्षिप्त चरित्र चित्रण कीजिए।

ii) फणीश्वरनाथ रेणु का जीवन परिचय दीजिए।

iii) "सुखदा सुख की सेज पर सोती ही नहीं, काँटो की राह पर चलना भी जानती है"। स्पष्ट कीजिए।

iv) गोदान उपन्यास में चर्चित समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

v) धनिया का संक्षिप्त जीवन परिचय दीजिए।

vi) उषा प्रियंवंदा के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालिए।

vii) जयशंकर प्रसाद की काव्यगत विशेषताओं को लिखिए।

4. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के अति-संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **10**

i) कृष्णा सोबती की साहित्यिक रचनाओं के नाम लिखिए।

ii) झुनिया का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखिए।

iii) मंसाराम को अपने प्राणों का होम क्यों करना पड़ा?

iv) प्रेमचंद के कर्मभूमि उपन्यास का उद्देश्य लिखिए।

v) गोदान का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित निर्देशों या विकल्पों के आधार पर वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य हैं। **10**

i) समरकान्त का मित्र कौन है?

अ) सलीम ब) करीम

स) रहीम द) वसीम

ii) रेणुका देवी की आर्थिक स्थिती कैसी हैं?

अ) निर्धन ब) साधारण धन

स) कर्जदार द) बहुत सम्पन्न

iii) अमरकान्त को पिता का कैसा स्वभाव नहीं सुहाता है?

अ) उदार ब) शोषक

स) कठोर द) कोमल

iv) प्रेमचन्द के आदर्शों के प्रतिनिधि हैं।

अ) होरी ब) धनिया

स) मेहता द) मालती

v) होरी के जीवन में सर्वप्रथम किस गाँव के लोग आते हैं?

अ) बनारस ब) बेलारी

स) इलाहाबाद द) लखनऊ

vi) प्रेमचंद के गोदान उपन्यास का अन्त है।

अ) अत्यन्त सुखदायक ब) अत्यन्त हृदयद्रावक

स) अत्यन्त प्रेरणादायी द) अत्यन्त सामाजिक

vii) गोदान उपन्यास सन् ..... में प्रकाशित हुआ।

अ) 1935 ब) 1936

स) 1937 द) 1938

viii) नवयुग की साक्षात ..... प्रतिमा किसे कहा गया हैं?

अ) धनिया ब) मालती

स) सुखिया द) झुनिया

ix) 'मुक्तिपथ' किसकी रचना हैं?

अ) जयशंकर प्रसाद ब) इलाचन्द्र जोशी

स) फणीश्वरनाथ रेणु द) इनमें से कोई नहीं

x) 'कामायनी' के रचनाकार हैं।

अ) फणीश्वरनाथ रेणु ब) जयशंकर प्रसाद

स) प्रेमचंद द) इलाचन्द्र जोशी

****